Paryavarn Sandesh

the newsletter

Oct-Nov-Dec 2021

Inside this issue .....

- COP 26 Global Assembly…
- Honour by CM…
- River Exhibition at Garh Mela….
- Revival of Poothi Pond...
- Launch of Raman River Revival Model..
- Media Articles & Links...

Director's Column

We hope all our readers are safe & healthy in these trying times. We pray everything is back to normal at earliest.

Team NEER has been working constantly towards its goals which you may go through in this newsletter.

"Nadiputra" Raman Kant

COP 26 Global Assembly - Participant Hosting

The 2021 United Nations Climate Change Conference, also known as COP26, is the 26th United Nations Climate Change conference. It was scheduled to be held in the city of Glasgow, Scotland between 31 October and 12 November 2021, under the presidency of the United Kingdom.

The Global Assembly is a new decision-making infrastructure that gives ordinary people a seat at the global governance table. By using sortition, 100 locations were selected from all over the world, for picking citizens from every walk of life. NEER Foundation served as community host for the participant of Bulandshahar and assisted in her participation in the citizen assembly. Many sessions were conducted by Global Assembly, before and after COP 26 to focus on the People's Declaration for the climate change.

Assembly members from the world's first global citizens' assembly presented their Declaration at COP26 on Monday 01 November 2021,

Honored by Hon'ble Chief Minister of Uttar Pradesh Sh. Yogi Adityanath ji at the Water Conclave of Times of India held in Varanasi

0n 8th October 2021

https://www.facebook.com/raman.tyagi.378/videos/275616877771464

River Exhibition at Garh Mela

In collaboration with Namami Gange, NEER Foundation organized a "*Nadi Pradarshni*". This river exhibition was from 12th November 2021, in which Raman Kant ji told that at present various programs are being conducted in relation to rivers with aim to make the devotees coming to the fair aware about the small rivers including the Ganges. The cooperation of Namami Gange and district administration was also received.

The River Exhibition held was inaugurated and observed by Meerut Divisional Commissioner Mr. Surendra Singh, IG Meerut Police Mr. Praveen Kumar, District Magistrate Hapur Mr. Anuj Singh and Superintendent of Police Hapur Mr. Deepak.

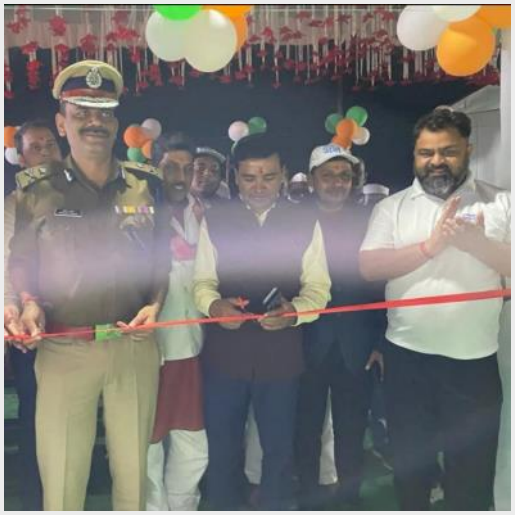

A drawing competition was conducted, in relation to the importance of river Ganga under river exhibition at KARTIK PURNIMA Ganga fair in Garhmukteshwar. About 50 children participated in this competition. The winners were given T-shirts, capes and bags from the hands of the Chairman, Uttar Pradesh Labor Welfare **Board, Mr. Sunil Bharala.**

Revival of Poothi Pond

The work of pond rejuvenation has started in my native village Poothi. It is a matter of great pleasure for NEER. As per the revenue records in my village there are 28 ponds. It will be our endeavour to revive all the ponds. This work of pond rejuvenation is being done by the village PRADHAN Prince Kumar in collaboration with the district administration. A festival will be held soon after the pond rejuvenation. Residents of Poothi are cooperating in the service of their native land in this work of pond rejuvenation. Let's make our village water rich together.

On 12 October 2021, a coordination meeting was held by the Divisional Commissioner Mr. Surendra Singh with social organisations and schools for the complete and systematic development of Meerut district.

Revival of Draupadi Ghaat

द्रौपदी घाट का जीर्णोद्धार

परिचय व महत्ता

लगभग 5000 वर्ष पुराना द्रौपदी घाट मेरठ जनपद की ऐतिहासिक हस्तिनापुर नगर पंचायत के अन्तर्गत आता है। यह हस्तिनापुर कस्बे से दो किलोमीटर दूर मकबूलपुर गांव जाने वाले रास्ते पर जंगल में स्थिति है। मन्दिर कतई जंगल के बीच में है। छोटा सा मन्दिर जिसमें कि श्री कृष्ण जी व रानी द्रौपदी की मूर्ति मौजूद है। साथ में एक शनि मन्दिर व श्री कृष्ण मुरारी मन्दिर भी है। यहां आस–पास के 50 किलोमीटर दूर की आबादी से लगभग 15000 महिलाए वर्ष मे एक बार साताफेरी के स्नान हेतु आती है और इस द्रौपदी घाट में स्नान करती है। स्नान के बाद यहां मौजूद पीपल के पेड़ के नीचे रानी द्रौपदी व श्री कृष्ण की पूजा करती हैं और मन्दिर दर्शन करती हैं। पूजा के पश्चात द्रौपदी घाट से हस्तिनापुर मुख्य मार्ग तक लगभग दो किलोमीटर तक जौ बोती (हाथ से डालते जाना) हुए जाती है। जौ बोने का अर्थ है कि मोती दान करने के समान माना जाता है। ऐसा लगातार सात वर्ष तक किया जाता है, इसीलिए से साताफेरी का स्नान कहा जाता है। यहा सभी की मन मांगी मुराद पूर्ण होती है। साताफेरी के स्नान के दौरान यहां मेला भी लगता है।

द्रौपदी घाट का जीर्णोद्धार

द्रौपदी घाट के नाम पर यहा जनवरी, 2001 तक एक मटमेला कच्चा कुण्ड मौजूद था। इसमे बूढ़ी गंगा के स्रोत का पानी आता व आगे बढ़ता रहता था। कुण्ड में नीचे गाद भरी रहती थी। लेकिन इसकी आस्था इतनी कि सभी महिलाएं इसी में स्नान करती थीं। एक बार अपनी माता के साथ मैंने भी इसमे स्नान किया है क्योंकि मेरा गाव पूठी भी यहा से 20 किलोमीटर की दूरी पर ही स्थित है। कुण्ड की बदहाली पर यू तो कई वर्षों से निगाह थी लेकिन इस वर्ष जनवरी में हमने निर्णन लिया कि इस कुण्ड का स्वरूप बदला जाए। जनवरी में मैंने अपने मित्र व सामाजिक कार्यकर्ता श्री मुखिया गुर्जर, तत्कालीन जिला पचायत अध्यक्ष श्री कुलविदर गुर्जर तथा नगर पचायत हस्तिनापुर के चैयरमेन श्री अरूण कुमार के सहयोग से यह कार्य प्रारम्भ किया गया। कार्य के उत्साह ने समाज के अन्य लोगों को भी प्रेरित किया। कार्य चलता रहा फिर नीर फाउंडेशन द्व ारा इसका एक डिजाइन नगर पंचायत हस्तिनापुर को दिया जिसके आधार पर एक प्रस्ताव बनाकर उत्तर प्रदेश सरकार को सौपा गया। स्वदेश दर्शन योजना के तहत प्रस्ताव को स्वीकृत करके कार्य करने की अनुमति दी गई। पिछले 7 माह की कड़ी मेहनत के बाद जैसा हम चाहते थे आज द्रौपदी घाट ने ऐसा स्वरूप ले लिया है। अब यहां करीब 500 वर्गमीटर में बड़ा जलाशल बन गया है। चारों ओर स्टील की ग्रिल लगा दी गई है तथा स्नान के लिए कुण्ड में उतरने हेतु सीढ़िया बना दी गई है। यहा शौचालय व नहाने के बाद कपड़े बदलने के लिए दो छोटे कमरे भी बनाए गए हैं। कुण्ड के चारों ओर साफ–सुथरा कर दिया गया है। अब यहा देखकर वास्तव में द्रौपदी कुण्ड की भव्यता नजर आती है।

–नदीपुत्र रमन कान्त

December 18, 2021

A meaningful discussion on water conservation and environmental protection was held with the children at St. Francis World School, Meerut

Launch of Raman River Revival Model (RRR Model)

Had a wonderful meeting with **Shri Ram Prasad Subedhi, Ambassador (Charge d' Affairs) of Nepal to India**. In this meeting, the problems of Nepal's rivers were discussed in detail and it was agreed to implement the 'Raman River Rejuvenation Model' on the Bagmati river. A river coordination discussion will also be held in Nepal soon. **November 24, 2021**

Today in Delhi, a detailed discussion was held on applying the Raman River Rejuvenation Model to Indus River Rejuvenation with friend musician and environmentalist **Mr Rinchan Wachar of Laddhak**.

December 19, 2021

Had a wonderful meeting with **Dr Sanjeev Kumar Baliyan (MoS, Government of India).** In this meeting, the problems of Wester UP rivers were discussed in detail and it was agreed to implement the 'Raman River Rejuvenation Model' on the small rivers of the region.

December 21, 2021

Had a wonderful meeting with Shri **Vijaypal Tomer (MP Rajyasabha).** In this meeting, the problems of Wester UP rivers were discussed in detail and it was agreed to implement the 'Raman River Rejuvenation Model' on the small rivers. **December 19, 2021**

ों को बचाना हम सब का फ

ढ़मुक्तेश्वर : कार्तिक
ल पर मेरठ सेक्टर में
मामी गंगे के सहयोग
शन द्वारा आयोजित
र्शनी में गंगा नदी के
प्रतियोगिता आयोजित
प्रतियोगिता में मेले
च्चों ने भाग लिया।
ों को उत्तर प्रदेश के
र्ड के अध्यक्ष सुनील
रा पुरस्कार स्वरूप
ंग दिए गए।
न के संस्थापक एवं
ांत त्यागी ने बताया
र्णिमा में नदी प्रदर्शनी
आयोजित की हुई है।
की महत्ता के संबंध
क जानकारी दी जा

कार्तिक पूर्णिमा मेले में नदी प्रदर्शनी में पहुंचे उत्तर प्रदेश श्रम कल्याण बोर्ड के
भराला को जानकारी देते नदीपुत्र रमाकांत त्यागी ● सौ. नदी पुत्र

रही है। मंगलवार को यहां पर कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रदेश के श्रम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुनील भराला ने कहा कि यह एक अच्छा प्रयास है, क्योंकि नदियों को बचाना हम सब का फर्ज बनता है। उन्होंने रमाकांत त्यागी द्वारा किए जा

रहे सराहनीय कार्य की
रमन कांत त्यागी
अभी नदियों के संब
कार्यक्रम संचालित वि
हमारे उद्देश्य मेले में
को गंगा सहित छोटी
सचेत करना है।

MEDIA ARTICLES & LINKS

प्रकृति है तो ही सब है

नदीपुत्र रमनकांत त्यागी
संस्थापक, नीर फाउंडेशन, मेरठ

सर्वे भवन्तु सुखिना सर्वे संतु निरामया को मानने वाला हमारा देश तभी समृद्धि होगा जब पारिस्थितिकी समृद्धि की भी फिक्र की जाए। पारिस्थितिक समृद्धि तब आएगी जब हमारे जंगल, हमारी नदियां व हमारे जल स्रोत समृद्ध होंगे।

हमारे सभी त्योहार हमें प्रकृति के साथ जीना सिखाते हैं। पहले हम सूरज की चाल से समय, हवा के प्रभाव से मौसम तथा दो मौसम के बीच के अंतर से वर्ष की गणना कर लेते थे। जब हम प्रकृति के गूढ़ संकेतों को समझना प्रारम्भ कर देंगे तो बहुत सी समस्याएं स्वयं दूर हो जाएंगी, क्योंकि हम प्रकृति से लड़ नहीं सकते हैं। प्रकृति से ही हमारा अस्तित्व है। सिंधु घाटी सभ्यता की अवनति हो या केदारनाथ की आपदा ये दोनों घटनाएं प्रकृति के पुरातन व वर्तमान रौद्र रूप को समझने के लिए पर्याप्त हैं। देश को परिस्थितिक रूप से समृद्धि बनाने में जन-जन की भागीदारी आवश्यक है। यह कार्य संभव भी है, क्योंकि इसका उदाहरण तब देखा गया जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के सभी ग्राम प्रधानों को अपने गांव के एक-एक तालाब को पुनर्जीवित करने के लिए पत्र लिखा तो देशभर में प्रधानों ने तालाब पुनर्जीवन का उत्सव ही मना दिया।

आज देश के प्राकृतिक जल स्रोत व नदियां जहां पानी की कमी से जूझ रहे हैं वहीं भयंकर प्रदूषण की मार से बेहाल हैं। देश की बढ़ती आबादी को सुविधाएं देने के लिए जंगल काटे जा रहे हैं। ऐसे मुश्किल समय में जहां आमजन को वातावरण सुधार की पहल करनी चाहिए वहीं सरकारों को भी समाज की मदद के लिए खड़ा

पारिस्थितिकीय समृद्धि

पर्यावरण संरक्षण
जल संरक्षण

होना चाहिए। इस समस्या से जूझती दुनिया के देश विश्व की पारिस्तिथिक समृद्धि के लिए स्कॉटलैंड के ग्लासो शहर में कोप-26 के दौरान मिलने वाले हैं। यहां 31 अक्टूबर से 12 नवंबर तक दुनिया में पर्यावरण के नुकसान की भरपाई के लिए चिंतन व मनन होगा। इस सम्मेलन से जो भी परिणाम निकलेगा उसको लागू करने की इकाई प्रत्येक जन को ही बनना है, अर्थात विश्व के प्रत्येक मानव को पारिस्थितिक समृद्धि के लिए प्रयास करना है। त्योहार को प्रकृति के साथ मनाने वाला भारतीय समाज इसमें अग्रणी भूमिका निभा सकता है जोकि अपना, परिवार का, देश का व विश्व सभी का भला कर सकता है। किसी भी त्योहार पर जब हम अपने घर की सफाई कर सकते हैं तो जहां हम रहते हैं वो गांव, कस्बा, शहर व देश भी तो हमारा घर ही है, अतः इन स्थानों को साफ-शुद्ध रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। हमारा वातावरण स्वच्छ होगा तो हम प्रसन्न होंगे। जहां प्रसन्नता होती है वहीं लक्ष्मी अर्थात धन यानी भौतिक समृद्धि आती है।

https://www.thebetterindia.com/.../uttar-pradesh-organic.../ #pmoindia #catchtherain #mankibaat #cmyogi

River clean up and lake revival | Sarkaritel.com

River At Her Last Breath, Meerut DC Opens Bank Account For People To Donate, Collects 1 Crore (thelogicalindian.com)

River Man of India | Raman Kant | LR Compost Pit by Lalit & Raman | Neer Foundation | The White Show - YouTube

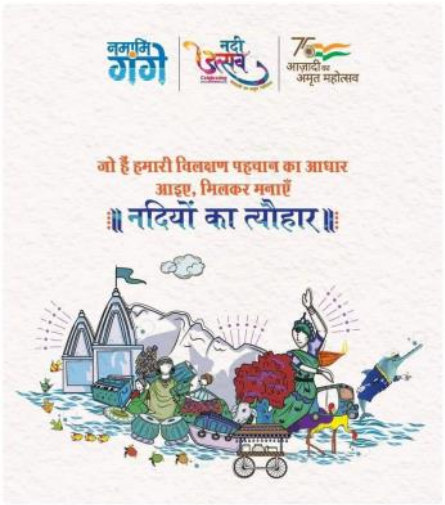

Natural Environmental Education & Research Foundation
1st Floor, Samrat Shopping Mall, Garh Road,
Meerut (UP) - 250004

Contact: +91 121 4030595; +91 94116 76951

email. raman4neer@gmail.com
web. www.theneerfoundation.org
web. eastkaliriverwaterkeeper.org
web. hindonriverwaterkeeper.in

email. theneerfoundation@gmail.com
raman.tyagi.378
theneerfoundation
Youtube. NEERFoundation

RAMAN KANT TYAGI (NADIPUTRA) @NGO_NEER